24 न्यूज अपडेट

ई-न्यूज

WebSite.: https://24newsupdate.in

उदयपुर, मंगलवार 10 दिसम्बर 2024

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

वर्ष 1 अंक 277

लेकसिटी में नवंबर में रिकॉर्ड 2.37 लाख टूरिस्ट घूमने आए:इस साल 11 माह में 17.12 लाख उदयपुर आए, टूरिज्म डिपार्टमेंट ने जारी किए आंकड़े

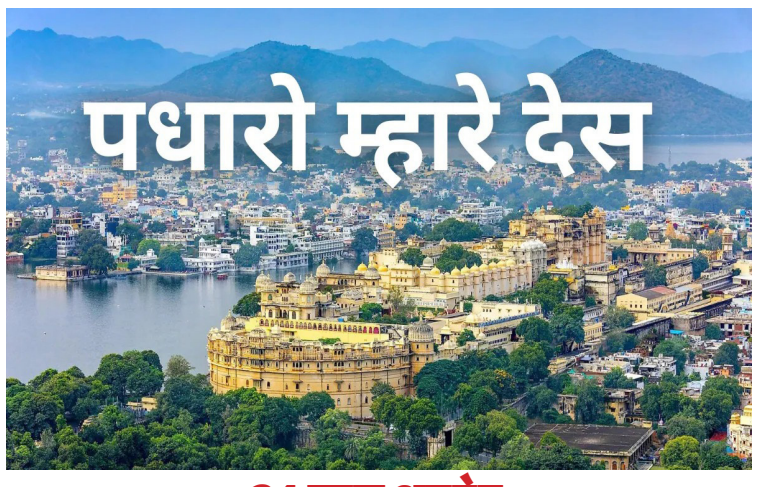

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर. बीते नवंबर माह में पहली बार रिकॉर्ड 2.37 लाख टूरिस्ट लेकसिटी विजिट करने आए हैं। जबकि नवंबर से पहले अक्टूबर-24 में 1.72 टूरिस्ट यहां आए थे। इस पूरे साल की बात तो अब तक 11 महीनों में 17.12 लाख टूरिस्ट उदयपुर विजिट कर चुके हैं।

उदयपुर पर्यटन नगरी है और यहां नवंबर से जनवरी तक टूरिस्ट का पीक सीजन माना जाता है। ऐसे में इन दिनों उदयपुर में बड़ी संख्या में टूरिस्ट का आना जाना लगा हुआ है। नवंबर माह में आए कुल 2.37 लाख टूरिस्ट में से 2.16 लाख देसी और 21 हजार 992 विदेशी टूरिस्ट हैं। कुल आंकड़ा पिछले साल नवंबर से 1693 और इसी साल अक्टूबर से 65 हजार 502 ज्यादा है। नवंबर पहले सप्ताह में ही टूरिस्ट की संख्या बढ़ी जानकारी अनुसार नवंबर के पहले ही सप्ताह में दीपोत्सव, फिर सावे शुरू होने से टूरिस्ट की संख्या बढ़ी है। ट्रेंड के अनुसार धनतेरस से लेकर लाभ पंचमी तक गुजरात से हजारों लोग आए। खास बात ये भी था कि इस बार तिथियों की घटत-बढ़त के कारण दीपोत्सव 6 दिन मनाया गया। ऐसे में टूरिज्म को भी एक दिन का ज्यादा फायदा हुआ। दूसरी ओर, पर्यटन विभाग के उपनिदेशक शिखा सक्सेना ने बताया कि पर्यटन में उदयपुर की विजिबिलिटी बढ़ी है। दिसंबर में शिल्पग्राम मेला, क्रिसमस, न्यूईयर पर भी रहेगा बूम इसके अलावा अब दिसंबर माह में 21 दिसंबर से 31 दिसंबर तक शिल्पग्राम मेला लगेगा। 25 को क्रिसमस और 31 को न्यू ईयर को लेकर टूरिस्ट की खासी भीड़ रहने वाली है। दुनिया के सबसे रोमांटिक, सुरक्षित और खूबसूरत शहर में साल की आखिरी रात बिताने के साथ नए साल की शुरुआत के लिए देश-दुनिया के से पर्यटक आएंगे। इसी बीच सेलिब्रिटी और डेस्टिनेशनल वेडिंग्स भी होंगे।

राजस्थान में एग्जाम की OMR शीट देख सकेंगे स्टूडेंट्स:धांधली रोकने के लिए कर्मचारी चयन बोर्ड ने किया फैसला, जूनियर इंस्ट्रक्टर भर्ती से हुई शुरुआत

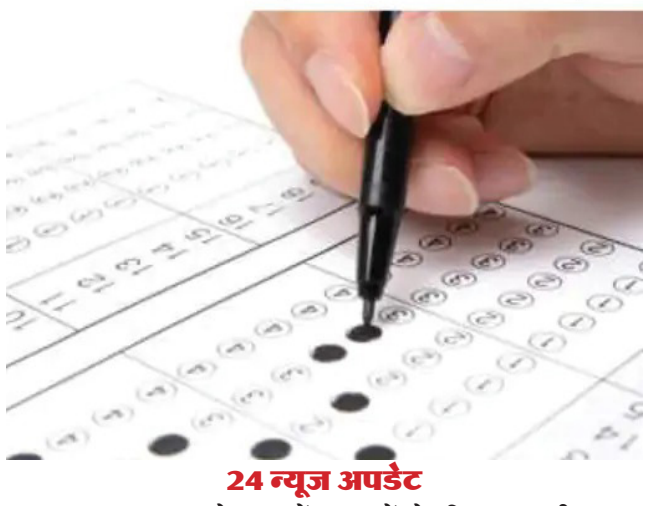

24 न्यूज अपडेट

जयपुर. राजस्थान के लाखों युवाओं के लिए अच्छी खबर है। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड ने अब भर्ती परीक्षाओं में धांधली रोकने के लिए स्टूडेंट्स की ओएमआर शीट को ऑनलाइन अपलोड करने का फैसला किया है। जिन्हें परीक्षा में शामिल स्टूडेंट्स अपनी एसएसओ आईडी की मदद से देख और डाउनलोड भी कर सकेंगे।

बोर्ड द्वारा ओएमआर शीट को ऑनलाइन करने की शुरुआत कर दी गई है। ऐसे में पिछले महीने 16 से 20 नवंबर तक आयोजित हुई जूनियर इंस्ट्रक्टर भर्ती परीक्षा के अभ्यर्थी अब बोर्ड की वेबसाइट पर जाकर अपनी ओएमआर. शीट देख सकेंगे।

पारदर्शिता लाने के लिए ओएमआर शीट को ऑनलाइन अपलोड करने का फैसला किया

राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड के अध्यक्ष आलोक राज ने बताया की भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता लाने के लिए कर्मचारी चयन बोर्ड ने ओएमआर शीट को ऑनलाइन अपलोड करने का फैसला किया है। फिलहाल जूनियर इंस्ट्रक्टर भर्ती परीक्षा से इसकी शुरुआत की गई है। अगर यह प्रक्रिया सफल रहेगी। भविष्य में सभी भर्ती परीक्षाओं में इसे लागू किया जाएगा। आलोक राज ने कहा- कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा भर्ती परीक्षाओं में काफी स्टूडेंट्स ऐसे भी शामिल होते हैं, जिन्हें अपनी ओएमआर शीट को लेकर आपत्ति होती है। उन्हें लगता है कि उनका पेपर अच्छा हुआ था। ओएमआर शीट बदलकर उनके रिजल्ट को बदल गया है। ऐसे में अब वह अपनी ओएमआर शीट देख सकेंगे। बता दें कि कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा 16 से 20 नवंबर तक आयोजित हुई जूनियर इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा की ओएमआर शीट को अपलोड कर दिया है। इसे भर्ती परीक्षा में शामिल स्टूडेंट्स अपनी एसएसओ आईडी की मदद से आज से 10 जनवरी तक ऑनलाइन देख और डाउनलोड कर सकेंगे। इसके लिए उन्हें सबसे पहले स्टूडेंट्स को राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की ऑफिशियल वेबसाइट rssb.rajasthan.gov.in पर क्लिक करना होगा। इसके बाद गेट ओएमआर लिंक पर और एस.एस.ओ. लॉग इन के माध्यम से रिक्रूटमेंट पोर्टल के गेट ओएमआर शीत लिंक पर क्लिक करने से ओ.एम.आर. शीट डाउनलोड हो जाएगी।

INDIA ब्लॉक का धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस:60 सांसदों का समर्थन; रिजिजू बोले- विपक्ष सभापति का अपमान करता है, बहुमत हमारे पास



24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली. संसद के शीतकालीन सत्र का मंगलवार (10 दिसंबर) को 11वां दिन है। INDIA ब्लॉक ने राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश करने की तैयारी कर ली। विपक्षी सांसदों ने राज्यसभा के जनरल सेक्रेटरी पीसी मोदी को धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस दिया।

इस नोटिस में कांग्रेस, TMC, AAP, सपा, DMK, CPI, CPI-M और RJD समेत कई पार्टियों के 60 सांसदों के दस्तखत हैं। विपक्ष का आरोप है कि राज्यसभा के सभापति और उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ पक्षपातपूर्ण तरीके से सदन चलाते हैं और विपक्ष को बोलने नहीं देते।

विपक्ष के नोटिस पर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि विपक्ष हमेशा चेयर (सभापति) का अपमान करता है। वे सभापति के अधिकारों का अनादर करते हैं। सदन में एनडीए के पास बहुमत है और हम सभी को चेयरमैन पर भरोसा है।'

वहीं, मंगलवार को 11 बजे दोनों सदनों की कार्यवाही शुरू हुई। लोकसभा में हंगामे के चलते पहले 12 बजे तक सदन स्थगित कर किया गया। 12 बजे कार्यवाही शुरू होने के बाद भी अडाणी-जॉर्ज सोरोस मुद्दे पर हंगामा जारी रहा, स्पीकर ने बुधवार तक के लिए सदन स्थगित कर दिया। हंगामे के चलते राज्यसभा की कार्यवाही भी बुधवार तक स्थगित कर दी गई।

प्रियंका बोलीं- सरकार रोज सदन स्थगित करा रही

इधर, प्रियंका गांधी ने कहा कि हम जो प्रदर्शन कर रहे हैं, वो बाहर कर रहे हैं। हम रोज कोशिश करते हैं, लेकिन वे (सरकार) चर्चा नहीं चाहते। रोज किसी न किसी बहाने सदन को स्थगित करा रहे हैं।

रिजिजू बोले- राहुल के अलावा सभी सांसद चर्चा चाहते हैं

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि कोई भी मुद्दे हों, हम सदन की कार्यवाही बाधित नहीं करेंगे। सपा, TMC और कांग्रेस समेत कई पार्टियों के सांसद मेरे पास आए थे। कांग्रेस राज्यसभा में चर्चा करना चाहती है, सिर्फ राहुल गांधी कार्यवाही में हिस्सा नहीं लेना चाहते। शायद उनका संसदीय लोकतंत्र में विश्वास नहीं है।

AAP की दूसरी लिस्ट, 17 विधायकों के टिकट काटे:मनीष सिसोदिया पटपड़गंज की जगह जंगपुरा से लड़ेंगे, उनकी सीट अवध ओझा को दी



24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली. दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी (AAP) ने सोमवार को 20 उम्मीदवारों की दूसरी लिस्ट जारी की। इसमें 17 मौजूदा विधायकों के टिकट काट दिए गए हैं। 3 प्रत्याशियों की सीट बदली गई है। पूर्व डिप्टी CM मनीष सिसोदिया जंगपुरा से चुनाव लड़ेंगे। पहले वे पटपड़गंज से चुनाव लड़ते थे। AAP ने UPSC टीचर अवध ओझा को पटपड़गंज से उतारा है। ओझा ने 2 दिसंबर को ही पार्टी जॉइन की थी। चर्चित चेहरे में AAP ने तिमारपुर से मौजूदा विधायक दिलीप पांडेय का टिकट काट दिया है। उनकी जगह दो दिन पहले भाजपा से AAP में शामिल हुए सुरेंद्र पाल सिंह बिट्टू को उम्मीदवार बनाया गया है। AAP की पहली लिस्ट 21 नवंबर को आई थी, जिसमें 11 उम्मीदवारों के नाम थे इसमें भाजपा-कांग्रेस से आए 6 लोगों को टिकट दिया गया है। अब तक 31 प्रत्याशी घोषित, 24 के टिकट कटे

AAP ने अब तक 31 सीटों पर प्रत्याशी घोषित किए हैं। 2020 चुनाव में 27 सीटों पर AAP जबकि 4 पर भाजपा के विधायक थे। AAP ने इस बार 27 विधायकों में से 24 के यानी 89% टिकट काट दिए हैं। AAP ने 3 विधायकों की सीट बदली है। वहीं, जिन चार सीटों पर पार्टी हारी थी, उनमें से दो पर पिछली बार हार चुके प्रत्याशी को ही दोबारा टिकट दिया है। दिल्ली विधानसभा का कार्यकाल 23 फरवरी 2025 को खत्म हो रहा है। पिछला चुनाव फरवरी 2020 में हुआ था। AAP ने 70 में से 62 सीटें जीती थीं। भाजपा 8 और कांग्रेस एक भी सीट नहीं जीत पाई।

3 की सीट बदली

1. **राखी बिडलान (मंगोलपुरी से मादीपुर)**
2. **प्रवीण कुमार (जंगपुरा से जनकपुरी)**
3. **मनीष सिसोदिया (पटपड़गंज से जंगपुरा)**

दो हारे उम्मीदवारों को फिर टिकट

1. **दीपक सिंघला: विश्वास नगर**
2. **सरिता सिंह: रोहतास नगर**

तिमारपुर में 67 पदाधिकारियों ने इस्तीफा दिया तिमारपुर से दिलीप पांडेय का टिकट कट गया है। उनकी जगह 6 दिसंबर को भाजपा छोड़कर AAP में शामिल हुए सुरेंद्र पाल सिंह बिट्टू को टिकट दिया गया है। विरोध में तिमारपुर में मंडल और बूथ स्तर के 67 पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने अपना इस्तीफा राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को सौंप दिया है।इनमें भाजपा के 3 और कांग्रेस के 3 चेहरे शामिल हैं।

म्यांमार में विद्रोही गुट ने एक और शहर जीता:बांग्लादेश से सटे माउंगदाव पर कब्जा किया, भाग रहे सेना के जनरल को भी पकड़ा



24 न्यूज अपडेट

नेपिता. म्यांमार में विद्रोही गुट अराकान आर्मी ने बांग्लादेश से सटे शहर माउंगदाव पर कब्जा करने का दावा किया है। माउंगदाव अराकान राज्य का उत्तरी इलाका है। यह बांग्लादेश के कॉक्स बाजार इलाके से सटा हुआ है और 271 किमी लंबी सीमा साझा करता है। न्यूज एजेंसी AP के मुताबिक अराकान आर्मी के प्रवक्ता खैंग थुखा ने सोमवार को कहा कि उन्होंने माउंगदाव में बची आखिरी सैन्य चौकी पर भी कब्जा कर लिया है। इस दौरान उन्होंने वहां से भाग रहे सेना के जनरल थुरिन तुन को पकड़ा। म्यांमार की सैन्य सरकार ने इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

रखाइन के मिलिट्री बेस पर कब्जा कर सकती है अराकान आर्मी

माउंगदाव म्यांमार के दूसरे सबसे बड़े शहर मांडले से लगभग 400 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में है। ये इलाका जून से अराकान आर्मी के निशाने पर रहा है। अराकान आर्मी ने इस साल की शुरुआत में बांग्लादेश की सीमा के नजदीक स्थिति दो शहर पलेतवा और बुथिदौंग पर कब्जा कर लिया था।

इससे पहले अराकान आर्मी ने नवंबर 2023 में रखाइन राज्य के 17 में 11 कस्बे पर कंट्रोल कर लिया था। इसके अलावा उन्होंने दूसरे राज्य चिन में भी हमला कर एक कस्बे पर कंट्रोल कर लिया। रखाइन का एक शहर ऐन में म्यांमार सेना का सैन्य बेस है। यहां से देश के पश्चिमी हिस्से की निगरानी की जाती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक ऐन शहर पर जल्द ही अराकान आर्मी का कब्जा हो सकता है। रखाइन सेना ने शुक्रवार रात सोशल मीडिया पर कहा था कि उन्होंने ऐन शहर में सेना के पश्चिमी कमान को छोड़कर 30 से ज्यादा सैन्य चौकियों पर कब्जा कर लिया है। अराकान आर्मी म्यांमार-बांग्लादेश सीमा पर एक आजाद देश स्थापित करने की कोशिश कर रही है। अरकान आर्मी म्यांमार में दूसरे विद्रोही गुटों के साथ गठबंधन कर अपनी स्थिति और मजबूत करने में जुटी है।

संपादकीय : विद्रोह बनाम स्थिरता

पिछले कुछ वर्षों में तानाशाह शासकों के खिलाफ विद्रोह और तख्तापलट की कई घटनाएं हो चुकी हैं श्रीलंका और बांग्लादेश में भी कुशासन के विरुद्ध जनआक्रोश फूटा और सत्ता परिवर्तन हो गया। सीरिया इसका ताजा उदाहरण है, जहां विद्रोही गुटों ने बशर अल-असद का तख्तापलट कर दिया। पिछले ग्यारह दिनों के संघर्ष के बाद विद्रोही गुटों ने सीरिया की राजधानी दमिश्क पर कब्जा कर लिया। हालांकि असद सरकार के दमनकारी रवैये कुशासन और तानाशाही के खिलाफ लोग काफी समय से नाराज थे। करीब तेरह वर्ष पहले असद को सत्ता से हटाने की मांग के साथ वहां जनआंदोलन उभरा था। मगर असद उस विद्रोह को दबाने में कामयाब रहे थे। इस बार सीरियाई सेना ने एक तरह से आत्मसमर्पण कर दिया और बिना किसी खून-खराबे के विद्रोही गुट हयात तहरीर अल-शाम यानी एचटीएस ने आसानी से दमिश्क पर कब्जा कर लिया। सीरिया में विद्रोह की चिंगारी तभी फूटी थी, जब कई अरब देशों में तानाशाहों के खिलाफ जनाक्रोश भड़का था, जिसे 'अरब स्प्रिंग' कहा जाता है। अब सीरिया में तख्तापलट का बड़ा कारण रूस और ईरान का मदद से हाथ खींच लेना माना जा रहा है। चलांकि सीरिया में विद्रोही गुट की कामवबी पर एक बड़े हिस्से में खुशी जताई जा रही है। भारत ने भी वहां शांतिपूर्ण और समावेशी प्रक्रिया के तहत सत्ता हस्तांतरण की उम्मीद जताई है। पर यह सवाल अपनी जगह है कि क्या वास्तव में सीरिया में लोकतांत्रिक प्रक्रिया शुरू हो सकेगी। इसके पहले तानाशाही से मुक्त हुए लीबिया, अफगानिस्तान आदि देशों का उदाहरण सामने है, जहां तख्तापलट के बाद भी स्थितियां बेहतर होने के बजाय बदतर ही होती देखी गई हैं। सीरिया में भी विद्रोही गुट की कमान कट्टरपंथियों के हाथ में है, जो अल-कायदा से जुड़े रहे हैं। इसके अलावा, वहां कई देशों और अलगाववादियों के अपने स्वार्थ हैं। ईरान और रूस सीरिया के साथ इसलिए बने हुए थे कि सीरिया रणनीतिक रूप से मध्यपूर्व का एक महत्त्वपूर्ण देश है। ईरान को हमास और हिजबुल्ला जैसे चरमपंथी संगठनों के लिए साजो-सामान जमा करने के लिए सीरिया सबसे उपयुक्त जगह है। रूस का स्वार्थ तेल और मध्यपूर्व में अमेरिकी दबदबा रोकने को लेकर जुड़ा है। इसके अलावा, कुर्दिस्तान की मांग को लेकर कुर्द विद्रोहियों के अपने समीकरण हैं। एचटीएस में शामिल विद्रोही गुटों के भी अपने-अपने स्वार्थ हैं। इस तरह सत्ता हस्तांतरण के बाद वहां लोकतांत्रिक सरकार बन सकेगी और आम लोगों के हितों को ध्यान में रखते हुए समावेशी नीतियां बन सकेंगी, कहना मुश्किल है। दुनिया में कहीं भी लोग तानाशाही पसंद नहीं करते। सीरिया में असद और उनके पिता की तानाशाही और दमन से लोग परेशान थे। इस दृष्टि से लोगों में लोकशाही की उम्मीद स्वाभाविक है। मगर एचटीएस से जुड़े विद्रोही संगठनों का जैसा कट्टरपंथी रुझान रहा है, उसे देखते हुए अभी यह कहना जल्दबाजी होगी कि सीरिया में सत्ता का स्वरूप कैसा होगा । अगर वहां भी लीबिया और अफगानिस्तान जैसे हालात बन गए, तो वह असद की तानाशाही से बुरी स्थिति होगी। आ नागरिकों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। तुर्किए और ईरान जैसे देश उसे अपने मोहरे के तैर पर इस्तेमाल करते रहेंगे और तख्तापलट का असल मकसद कहीं गुम हो जाएगा। इससे दूसरे देशों के साथ संबंधों पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका बनी रहेगी। भारत के साथ उसके संबंध भी इन प्रभावों से मुक्त नहीं माने जा सकते।

संवेदना का क्षरण

उतराखंड के हल्द्वानी की एक घटना से यह साफ है कि व्यवस्था के स्तर पर अस्पतालों का प्रबंधन या तो घोर लापरवाही बरतता या फिर जानबूझ कर अनदेखी करता है। दूसरी ओर, अस्पताल से बाहर एक ऐसा तंत्र खड़ा होता है, जिसे इस बात से कोई मतलब नहीं कि किसी पीड़ित के सिर पर दुख का कैसा पहाड़ टूट पड़ा है और वह किस स्तर के अभाव की मार से जूझ रहा है। गौरतलब है कि हल्द्वानी में एक युवक की तबीयत खराब हुई और इसके बाद राजकीय मेडिकल कालेज में उसे मृत घोषित कर दिया गया। उसकी बहन के सामने अब शव ले जाने की चुनौती थी और शवगृह से बाहर खड़े एंबुलेंस वालों ने दस-बारह हजार रुपए की मांग की। किराया कम करने के लिए काफी विनती के बाद भी कोई तैयार नहीं हुआ । आखिर महिला को अपने भाई के शव को एक वाहन की छत पर सामान की तरह बांध कर अपने गांव ले जाना पड़ा। मामले के संज्ञान में आने के बाद जब जांच की बात आई तो अस्पताल प्रशासन ने लचर सफाई दी कि यह अस्पताल से बाहर का मामला था । सवाल है कि अस्पताल में किसी की मौत के बाद शव ले जाने का इंतजाम उसकी जिम्मेदारी में शामिल क्यों नहीं है। उपेक्षा के शिकार गरीब लोग अपनी जरूरत की बात कहने में भी किस हद तक सिमटे होते हैं, यह छिपी बात नहीं है। संवेदनहीनता की सारी हदों को पार करने वाली ऐसी घटनाएं यही बताती हैं कि व्यवस्था के स्तर पर स्वास्थ्य महकमे के दावे महज हवा-हवाई हैं, वहीं आम जिंदगी में लोग सबसे नाजुक मौकों पर भी मुनाफे के लालच में क्रूर हो जा रहे हैं। ऐसी स्थितियों की पीड़ा उन्हें शायद तभी समझ में आएगी, जब इस तरह के अभाव और दुख का सामना खुद उन्हें करना पड़ेगा। देश भर में पिछले कुछ वर्षों से स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए तमाम उपाय किए जाने से लेकर अलग-अलग योजनाओं के तहत समाज के सबसे कमजोर तबकों को मुफ्त इलाज मुहैया कराने के दावे किए जा रहे हैं। इन दावों की हकीकत अक्सर उजागर होती रही है, जब किसी गरीब परिवार को जरूरत पड़ने पर अस्पताल जाना पड़ता है।

जिला स्तरीय जनसुनवाई में शिकायत के बाद भी फूटा तालाब से भूमाफियाओं के अतिक्रमण हटाने की नहीं हुई कार्रवाई



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर देहात जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व महासचिव प्रदीप त्रिपाठी ने बताया कि सितंबर 2024 में जिला स्तरीय जनसुनवाई शिविर में जिला कलेक्टर को पत्र लिखकर उदयपुर नगर निगम के वार्ड नंबर 17 के हिरण मगरी सेक्टर 13 के फुटा तालाब में पिछले वर्षों में उदयपुर के कुछ कतिपय राजनीतिक, रसूखदार और प्रभावशाली लोगों द्वारा तालाब की एतिहासिक पाल (जो करीब 8-10 फीट ऊंची है) को करीब 15 फीट चौड़ी तोड कर तालाब पेटे के अन्दर अवैध तरीके से बनवाई गई कच्ची सड़क को हटवाने की मांग की थी लेकिन करीब 3 माह बीत जाने के पश्चात भी जिला प्रशासन और न्क्। द्वारा इस मुद्दे पर कोई कार्यवाही नहीं की गयी। प्रदीप त्रिपाठी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि जिला प्रशासन और यूडीए द्वारा इस मुद्दे पर उदासीनता पुर्ण रवैया " पुरे कुएं में भांग घुली हुई है" मुहावरे/ कहावत को चरितार्थ कर रहा है, साथ ही इन अधिकारियों द्वारा यहां किसी भी प्रकार की कार्यवाही नहीं करने से राजनीतिक पहुंच रखने वाले प्रभावशाली, रसूखदार, और भुमाफियो द्वारा तालाब क्षेत्र में बिना अनुमति के कई पक्के निर्माण (मकान) कराये जा रहे हैं तो दूसरी तरफ इन्हीं तथाकथित व्यक्तियों द्वारा तालाब पेटे में ट्रेक्टरों द्वारा ईमारती मलबा डलवा कर तालाब पेटे की जमीन को खत्म किया जा रहा है। प्रदीप त्रिपाठी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि जिला प्रशासन और यूडीए को कई बार पत्र लिखकर, विभिन्न समाचार पत्रों के संवाददाताओं ने अपने समाचार पत्र में समाचार प्रकाशित कर और कई इलेक्ट्रॉनिक मीडिया चैनल ने अपने - अपने चैनल पर खबर प्रसारित कर उदयपुर जिले के आला और जिम्मेदार अधिकारियों को इस प्रकरण से अवगत कराया मगर अधिकारी तथाकथित प्रभावशाली व्यक्तियों के दबाव और डर से अपनी - अपनी जिम्मेदारियों से मुंह मोड़ कर बैठे हैं। जबकि राजस्थान उच्च न्यायालय जोधपुर की ओर से एक जनहित याचिका पर प्रदेश भर की झीलों के सम्बंध में दिये गये निर्णय में झील एवं तालाब के भराव क्षेत्र में किसी भी तरह के पक्के निर्माण पर रोक लगा रखी है तथा झील एवं तालाब में किये गये सभी निर्माणों को सम्बन्धित सरकारी विभागो द्वारा हटाये जाने के निर्देश दिए हुए हैं और यदि ऐसा नहीं होता है तो राजस्थान उच्च न्यायालय के आदेश की अवमानना है। लेकिन यूडीए के अधिकारी राजनीतिक पार्टी के तथाकथित नेताओं के दबाव में आ कर तालाब पेटे में अवैध रूप से बनाई जा रही कच्ची सड़क और हो रहे अन्य निर्माण कार्यों पर आंखें मूंदकर कर बैठे हैं और राजस्थान उच्च न्यायालय के निर्णय की अवमानना कर रहे हैं। यहां यह उल्लेखनीय है कि गिर्वा तहसीलदार ने भी उक्त तालाब पेटे की जमीन को पेटा भूमि राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 की धारा 16 के अन्तर्गत प्रतिबंधित भूमि के श्रेणी में माना है जिसका अन्य किसी उपयोग हेतु परिवर्तन नहीं किया जा सकता है इसके अतिरिक्त जनहित याचिका संख्या 1536/2003 अब्दुल रहमान बनाम सरकार में माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय जोधपुर द्वारा पारित निर्णय की अवहेलना मानी है तथा करीब 188 व्यक्तियों को बेदखली के लिए राजस्व न्यायालय में एक वाद दायर कर रखा है। प्रदीप त्रिपाठी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर राजस्थान उच्च न्यायालय और राजस्थान सरकार को स्वत संज्ञान लेकर इस तालाब में अब तक हुए विभिन्न अतिक्रमणों को हटवाने का आदेश दिलावे जिससे यह तालाब संरक्षित यह सके तथा इस तालाब पेटे में किये गए अतिक्रमणों में लापरवाही बरतने वाले विभिन्न विभागों के अधिकारियों/कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई करवाने का आदेश दिलाएं।

1.80 लाख से ज्यादा लोगों ने नहीं करवाई ई-केवाईसी:राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना, 1 जनवरी से सूची से हट जाएगा नाम



24 न्यूज अपडेट

राजसमंद. राजसमंद के नाथद्वारा कस्बे में कुत्ते ने एक ही दिन में 14 लोगों को काट लिया। कस्बे के माणक चौक में हुई इस घटना से अफरा-तफरी मच गई। सोमवार रात को 7 से 8 बजे के बीच हुई इस घटना का CCTV वीडियो भी सामने आया है। नाथद्वारा कस्बे में इन दिनों आवारा कुत्तों ने आतंक मचा रखा है। जिसके चलते न केवल यहां के स्थानीय लोगों में, बल्कि बाहर रसे आने वाले श्रद्धालुओं में भी अब कुत्तों का खौफ पैदा हो चुका है। कुत्ते के काटने के रोज 5-7 मामले अस्पताल में सामने आ रहे है। सोमवार रात को कस्बे के माणक चौक में कुत्ते ने दर्शनार्थियों सहित 14 लोगों को काट लिया। 5 दिनों से 50 से अधिक डॉग बाइट के मामले नाथद्वारा के सरकारी अस्पताल के डॉक्टर विनोद कुमार ने बताया कि श्वान काटने के सोमवार को एक साथ 14 मामले आए है। सभी की मरहम पट्टी कर इन्हें एंटी रेबीज के इंजेक्शन लगाए गए। पिछले 5 दिनों से 50 से अधिक डॉग बाइट के मामले सामने आए। डॉक्टर विनोद कुमार ने बताया कि 5 दिसंबर को कुत्ते के काटने के 23 मामले, 6 दिसंबर को 13 मामले, 7 तारीख को 8 मामले, 8 दिसंबर को 6 व 9 तारीख को 14 मामले दर्ज किए गए है।

वही श्रीनाथजी के दर्शन करने गुजरात से आए एक श्रद्धालु ने बताया कि दर्शन के बाद सोमवार रात को बाजार में खरीदारी कर रहे थे। तभी एक कुत्ते ने उन पर हमला कर दिया और कई जगह पर काट लिया। स्थानीय पार्षद दिनेश एम जोशी ने बताया कि शहर में आवारा कुत्तों के काटने के मामले आ रहे हैं। शहर के चौपाटी इलाके में सोमवार रात को दो-तीन कुत्तों ने कई लोगों को काट लिया। इसकी जानकारी मिलते ही नगर परिषद को सूचना दी गई है। अब परिषद की ओर से इन आवारा कुत्तों को पकड़ने की कार्रवाई की जाएगी। बाजार में भी लोगों को कुत्तों से सावधान रहने की अपील की गई है।

नाथद्वारा में कुत्तों ने 14 लोगों पर किया अटैक-बाजार में खरीदारी कर रहे श्रद्धालुओं और लोगों को काटा; रोज आ रहे 7 केस



24 न्यूज अपडेट

राजसमंद. राजसमंद के नाथद्वारा कस्बे में कुत्ते ने एक ही दिन में 14 लोगों को काट लिया। कस्बे के माणक चौक में हुई इस घटना से अफरा-तफरी मच गई। सोमवार रात को 7 से 8 बजे के बीच हुई इस घटना का CCTV वीडियो भी सामने आया है। नाथद्वारा कस्बे में इन दिनों आवारा कुत्तों ने आतंक मचा रखा है। जिसके चलते न केवल यहां के स्थानीय लोगों में, बल्कि बाहर रसे आने वाले श्रद्धालुओं में भी अब कुत्तों का खौफ पैदा हो चुका है। कुत्ते के काटने के रोज 5-7 मामले अस्पताल में सामने आ रहे है। सोमवार रात को कस्बे के माणक चौक में कुत्ते ने दर्शनार्थियों सहित 14 लोगों को काट लिया। 5 दिनों से 50 से अधिक डॉग बाइट के मामले नाथद्वारा के सरकारी अस्पताल के डॉक्टर विनोद कुमार ने बताया कि श्वान काटने के सोमवार को एक साथ 14 मामले आए है। सभी की मरहम पट्टी कर इन्हें एंटी रेबीज के इंजेक्शन लगाए गए। पिछले 5 दिनों से 50 से अधिक डॉग बाइट के मामले सामने आए। डॉक्टर विनोद कुमार ने बताया कि 5 दिसंबर को कुत्ते के काटने के 23 मामले, 6 दिसंबर को 13 मामले, 7 तारीख को 8 मामले, 8 दिसंबर को 6 व 9 तारीख को 14 मामले दर्ज किए गए है।

वही श्रीनाथजी के दर्शन करने गुजरात से आए एक श्रद्धालु ने बताया कि दर्शन के बाद सोमवार रात को बाजार में खरीदारी कर रहे थे। तभी एक कुत्ते ने उन पर हमला कर दिया और कई जगह पर काट लिया। स्थानीय पार्षद दिनेश एम जोशी ने बताया कि शहर में आवारा कुत्तों के काटने के मामले आ रहे हैं। शहर के चौपाटी इलाके में सोमवार रात को दो-तीन कुत्तों ने कई लोगों को काट लिया। इसकी जानकारी मिलते ही नगर परिषद को सूचना दी गई है। अब परिषद की ओर से इन आवारा कुत्तों को पकड़ने की कार्रवाई की जाएगी। बाजार में भी लोगों को कुत्तों से सावधान रहने की अपील की गई है।

चलती कार बनी आग का गोला:ड्राइवर ने कूदकर बचाई जान, गुजरात से लौट रहा था राजसमंद



24 न्यूज अपडेट

डूंगरपुर. डूंगरपुर के बिछीवाड़ा थाना क्षेत्र में एनएच-48 पर सोमवार शाम चलती कार में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते कार आग का गोला बन गई। कार ड्राइवर ने समय रहते कार से कूदकर अपनी जान बचाई। वहीं आग से कार जलकर खाक हो गई।

राजसमंद निवासी मांगीलाल पुत्र रामलाल सोमवार शाम के समय कार लेकर जा रहा था। वह सूरत से अपने घर राजसमंद आ रहा था। बिछीवाड़ा थाना क्षेत्र में एनएच-48 पर उसे कार के पीछे से धुआं निकलते हुए दिखाई दिया। कार से धुंआ निकलने पर वह चौंक गया। धुआं उठता देख ड्राइवर मांगीलाल ने कार रोक दी और फटाफट कार से नीचे कूदा। इसके बाद कार से आग की लपटें उठने लगी। देखते ही देखते कार जलकर राख हो गई। सूचना मिलने पर बिछीवाड़ा थाना पुलिस और फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। आग से कार पूरी तरह से जलकर राख हो गई।

प्रवासी राजस्थानी राज्य के विकास में बनें भागीदार, प्रवासी राजस्थानियों के लिए बनेगा विशेष विभाग - मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

- "राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट" की "प्रवासी राजस्थानी कॉन्क्लेव"
- प्रवासी राजस्थानियों पर राजस्थान का हक, वे यहां आएं और निवेश कर राजस्थान के विकास में सहभागी बनें - राज्यपाल बागडे





24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट. जयपुर। राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे ने कहा कि राजस्थानी जहां जहां जाकर बसे हैं वहां की अर्थव्यवथा में सुधार किया है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में आठ करोड़ की जनसंख्या बताई जा रही है। इसके अलावा भी दो ढाई करोड़ बाहर प्रवास करते हैं। इन सबको मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा हक से बुलाकर राजस्थान में निवेश के लिए आमंत्रित करें। उन्होंने कहा कि प्रवासी राजस्थानियों पर राजस्थान का अधिकार है। वे यहां आएं और मातृभूमि का ऋण चुकाने के लिए निवेश करें। उन्होंने कहा कि हमारे महाराष्ट्र में कहावत है, जहां न पहुंचें बैलगाड़ी वहां पहुंचे मारवाड़ी। राजस्थानी जहां गए हैं वहां अच्छा कार्य किया। लगन और परिश्रम से अपना स्थान बनाया है। राज्यपाल श्री बागडे मंगलवार को "राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट" की "प्रवासी राजस्थानी कॉन्क्लेव" में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रवासी राजस्थानियों ने देशभर की अर्थव्यवथा में महती भूमिका निभाई हैं। अब समय राजस्थान को विकसित करने का है। राज्यपाल ने कहा कि दुग्ध क्षेत्र में राजस्थान अग्रणी है। इस क्षेत्र में और विकास की आवश्यकता है। उन्होंने राजस्थान में निवेश करने बालों को विश्वास दिलाया कि यहां आएंगे तो राज्य सरकार हर संभव सहयोग करेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बारिश के पानी को रोके जाने पर अधिक से अधिक कार्य हो। इस समय प्रदेश में एक ही फसल ली जाती है। बारिश के पानी को सहेज कर प्रयास करें कि दो फसल यहां हो। राज्यपाल ने आह्वान किया कि आदिवासी क्षेत्रों में लोगों को काम दें। पिछड़े क्षेत्रों में कारखाने खोले और गरीब, किसान और घुमंतुओं की आर्थिक स्थिति में सुधार में प्रवासी भागीदारी बने। उन्होंने कहा कि राजस्थान में गौ धन संरक्षण के लिए अच्छा कार्य होता है। गौशालाओं में गायों के लिए किए जा रहे कार्यों की भी उन्होंने सराहना की। उन्होंने मुख्यमंत्री द्वारा पहल कर निवेश प्रोत्साहन लिए किए जा रहे विशेष प्रयासों को महत्वपूर्ण बताया और निवेश नीति की सराहना की।

10 दिसंबर को हर वर्ष मनाया जाएगा प्रवासी राजस्थानी दिवस- मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि देश दुनिया में प्रवासी राजस्थानियों की मेहनत, कर्मठता और लगन से राजस्थान गौरवान्वित हुआ है। हमारी सरकार ने यह निर्णय लिया है कि प्रवासी राजस्थानियों के हितों को ध्यान में रखते हुए उनके लिए एक विशेष विभाग बनाया जाएगा। साथ ही, 10 दिसंबर को हर वर्ष प्रवासी राजस्थानी दिवस के रूप में मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार ने राज्य में पहली बार हर साल प्रवासी राजस्थानी सम्मान देने का निर्णय लिया है। प्रवासी राजस्थानियों के परिवारों को किसी तरह की समस्या आती है, तो इसके लिए हर जिले में सिंगल प्वाइंट कॉन्टेक्ट बनाया जाएगा।

राजस्थान को विकसित, खुशहाल और देश में सिरमौर बनाने के लिए संकल्पित

मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि राजस्थान आज विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। हाईवे का तीसरा एवं रेलवे का पांचवां सबसे बड़ा नेटवर्क, सात प्रमुख हवाई अड्डे और दिल्ली-मुंबई फ्रेट कॉरिडोर राजस्थान को परिवहन के लिए अत्यंत सुविधाजनक स्थान बनाते हैं। भारत का सबसे बड़ा राज्य राजस्थान अब बड़े अवसरों की भूमि बन रहा है। उन्होंने कहा कि हम अगले 5 साल में राज्य की अर्थव्यवस्था को 350 बिलियन डॉलर करने के संकल्प के साथ काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान अक्षय ऊर्जा में अग्रणी है तथा सौर एवं पवन ऊर्जा उत्पादन की भी यहां अनुकूल स्थितियां हैं। श्री शर्मा ने राजस्थान में अपार संभावनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि यहां का हर कोना, अपनी समृद्ध धरोहर, प्रकृति, संस्कृति और विविधताओं का दर्शन करवाता है। यहां वाइल्ड लाइफ, वेलनेस, वेडिंग एवं धार्मिक पर्यटन के बढ़ने के कारण होटलों की मांग तेजी से बढ़ रही है। राजस्थान में प्रतिवर्ष देश-विदेश से करोड़ों पर्यटक आते हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान में खनन् क्षेत्र में भी असीमित संभावनाएं हैं। हमने हाल ही में राजस्थान खनिज नीति-2024 एवं राजस्थान एम-सैण्ड पॉलिसी-2024 लॉन्च की है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, इंजीनियरिंग, वस्त्र, चिकित्सा उपकरण, रक्षा उपकरण, खाद्य प्रसंस्करण, डेटा सेंटर जैसे क्षेत्रों में भी निवेश के लिए बेहतरीन अवसर हैं।

सरकारी प्रक्रियाएं सरल, निवेश अनुकूल वातावरण

श्री शर्मा ने कहा कि हमने निवेशकों के लिए एक ऐसा माहौल तैयार किया है, जहां उन्हें हर संभव सुविधाएं मिलेंगी। हमने निवेश के लिए सरकारी प्रक्रियाओं को सरल बनाया है तथा उद्योगों में नवाचारों को प्रोत्साहित किया है। उन्होंने कहा कि निवेशकों के लिए 10 नई नीतियां बनाने के साथ ही राज निवेश पोर्टल से समयबद्ध मंजूरी भी सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने प्रवासी राजस्थानियों से अपील की है कि वे राज्य के विकास में भागीदार बनें तथा अपनी मातृभूमि में निवेश कर अपनी आने वाली पीढ़ी के जुड़ाव को मजबूत करें। सब मिलकर राजस्थान को हिंदुस्तान का नंबर 1 प्रदेश बनाने का संकल्प लें - सिक्किम राज्यपाल सिक्किम के राज्यपाल श्री ओम माथुर ने कहा कि राजस्थान का व्यक्ति विश्व भर में अपने कठिन परिश्रम के लिए जाना जाता है राजस्थानी देश के किसी भी राज्य में गया हो अथवा विदेश में उसने, हर जगह अपना नाम कमाया है। साथ ही वह अपनी जन्मभूमि को कभी नहीं भूले हैं। उन्होंने कहा कि गत 10 सालों में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में अब भारत दुनिया का नेतृत्व कर रहा है तथा विश्व गुरु एवं सोने की चिड़िया बनने की राह पर है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के अथक परिश्रम से राइजिंग राजस्थान बेहद सफल कार्यक्रम साबित हुआ है तथा श्री शर्मा प्रवासी राजस्थानियों के किसी भी काम में कमी नहीं आने देंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रवासी बंधुओं को हर तरह की सुविधा मुहैया करवाई जा रही है। उन्होंने प्रवासी राजस्थानियों से कहा कि वे साल में एक बार जरूर अपने गांव जाएं तथा सब मिलकर राजस्थान को हिंदुस्तान का नंबर 1 प्रदेश बनाने का संकल्प लें। शाहपुरा से जर्मनी तक, डूंगरपुर से इंग्लैंड तक राइजिंग समिट का माहौल- केन्द्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री श्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी जी के नेतृत्व में सुशासन की नई परिभाषा बनी है तथा सुशासन से सिस्टम में त्वरित एवं सटीक निर्णय में आसानी हुई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी के विकसित भारत के विज़न में राइजिंग समिट की भागीदारी बेहद महत्वपूर्ण साबित होगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने 1 वर्ष में ही शाहपुरा से जर्मनी तक डूंगरपुर से इंग्लैंड तक राइजिंग समिट का माहौल बनाया है तथा निवेशकों के लिए एक सफल कार्यक्रम का संचालन किया है। उन्होंने कहा कि मारवाड़ियों की अपार उद्योग की क्षमता, निर्विवाद रहने की कला तथा संस्कारों से दुनिया भर में मारवाड़ियों का डंका बजा है। अब कोर बिजनेस के साथ ही मारवाड़ी हॉस्पिटैलिटी, आईटी, ए आई जैसे क्षेत्रों में भी आगे बढ़ते दिख रहे हैं। प्रवासी उद्योगपति एन. सेठिया ग्रुप ऑफ कम्पनीज (यूके) के फ़ाउण्डर एवं चेयरमैन श्री निर्मल कुमार सेठिया ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि राजस्थान वीरों की भूमि है और यह साहस और वीरता के लिए जाना जाता है। उन्होंने कहा कि सफल होने के साथ ही हम सभी को एकता और मानवता को भी अपनाना चाहिए। राजस्थान बिजनेस एवं प्रोफ़ेशनल्स ग्रुप (दुबई) के चेयरमैन श्री अशोक ओढरानी ने कहा कि हमारी सभ्यता और संस्कृति ही हमारी सफलता का आधार है। उन्होंने कहा कि आरबीपीजी संगठन यूएई में प्रवासी राजस्थानियों एवं राजस्थान सरकार में मध्य निवेश, सीएसआर सहित अन्य क्षेत्रों के लिए सेतु का कार्य कर रहा है । उन्होंने राजस्थान सरकार द्वारा निवेश को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना (रिप्स-2024) निवेश के क्षेत्र में हॉलमार्क है। उन्होंने राजस्थान में व्यवसाय के विस्तार को लेकर रुचि व्यक्त की । सीजी कार्प ग्रुप के चैयरमैन एवं नेपाल के संसद सदस्य डॉ. बिनोद चौधरी ने कहा कि प्रवासी राजस्थानियों ने प्रदेश की संस्कृति और विरासत के वाहक के रूप में देश-दुनिया में उद्यमिता के क्षेत्र में विशेष पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी में हर मूल भारतीय का दुनिया में मान बढ़ाया है । साथ ही, उन्होंने मारवाड़ियों की उद्यमिता की कुशलता को संजोए जाने के संबंध में सुझाव भी दिए। पीरामल ग्रुप के चेयरमैन श्री अजय पीरामल ने कहा कि आर्थिक निवेश के साथ ही सामाजिक निवेश भी ज़रूरी है। पीरामल फाउंडेशन राजस्थान सरकार के सहयोग के माध्यम से झुंझुनूं सहित राजस्थान के विभिन्न स्थानों पर शिक्षा के क्षेत्र में कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया की पांचवीं अर्थव्यवस्था है और तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि राजस्थान की प्रगति में सभी वर्गों का साथ सुनिश्चित करते हुए समाज सेवा में आगे आएँ । उद्योग मंत्री कर्नल राज्यवर्द्धन राठौड़ ने कहा कि राइजिंग राजस्थान राज्य सरकार का संकल्प है और प्रवासी राजस्थानी इस संकल्प को पूरा करने वाली टीम का अहम हिस्सा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेश में निवेश के क्षेत्र में लालफ़ीताशाही को ख़त्म किया है। प्रदेश में निवेश एवं निर्यात को बढ़ावा देने के लिए नई नीतियों को लागू किया है, जिनमें माध्यम से निर्यातकों को फ्रेट सब्सिडी से लेकर निवेशकों को सिंगल विंडो सिस्टम की सुविधा प्रदान की जा रही है। इससे पहले पश्चिमी राजस्थान के 108 लंगा एवं मांगणियार बाल-कलाकारों ने 'पधारो म्हारे देस' लोकगीत की मनमोहक प्रस्तुति दी। इस अवसर पर 'प्रदेश में निवेश के अवसर' एवं 'प्रवासी राजस्थानी' थीम पर आधारित लघु फ़िल्म्स भी प्रदर्शित की गई। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी, डॉ. प्रेमचंद बैरवा सहित मंत्रिगण, विधायकगण अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में प्रवासी राजस्थानी उपस्थित रहे।



बेटी गई प्रेमी के संग, पहचानने से किया इनकार तो छपवा दी शोक पत्रिका

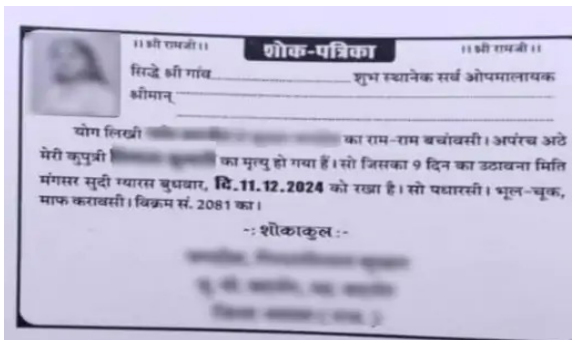

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट. भीलवाड़ा। ब्यावर जिले की बदनौर तहसील में परिवार की मर्जी के खिलाफ जाकर बेटी ने लव मैरिज कर ली। परिजनों ने गुमशुदगी दर्ज कराने के बाद पुलिस लड़की को पकड़कर लाई तो माता-पिता को पहचानने से इनकार कर दिया। पिता आहत हुए कि बेटी के निधन की शोक पत्रिका छपवाकर समाज में बांट दी। बताया यगा किएक गांव की लड़की ने घर से भागकर प्रेमी के साथ शादी कर ली। परिजनों ने पहले तो लड़की की तलाश की, उसके बाद थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई। पुलिस ने लड़की और उसके प्रेमी की तलाश कर पकड़ लिया। इसके बाद उसे माता-पिता के सामने पेश किया तो लड़की ने अपने माता-पिता को पहचानने से ही इनकार कर दिया। बेटी की इस बात से पिता इतने नाराज हुए कि उन्होंने बेटी को मरा हुआ मान लिया और शोक पत्रिका छपवाकर समाज में बांट दी। इस बात के क्षेत्र में काफी चर्चे हैं।

उदयपुर के पास फिर नजर आया लेपर्ड, कॉलोनी में घूमता हुआ दिखा, सुबह CCTV देख घबराए ग्रामीण; शिकार की तलाश में आया



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर. उदयपुर से 7 किमी दूर एक बार फिर लेपर्ड CCTV कैमरे में देखा गया। सुबह ग्रामीणों को जब इसका पता चला तो यहां दहशत का माहौल हो गया। लेपर्ड उदयपुर के तीतरड़ी क्षेत्र में बांसवाड़ा रोड पर अंबाफला सिथत न्यू उर्जा विहार में नजर आया है। ग्रामीणों के अनुसार आसपास जंगल का एरिया है ऐसे में यहां लेपर्ड का मूवमेंट तो रहता है लेकिन, CCTV में पहली बार नजर आया है।

बता दें कि इससे पहले रविवार को उदयपुर से सटे बड़गांव में लेपर्ड नजर आया था। बड़गांव वही जगह है जहां 53 दिन पहले लेपर्ड को 4 गोलियां मारकर शूट किया गया था।

सुबह रिकॉर्डिंग देखी तो चौंके

न्यू ऊर्जा विहार में रहने वाले राजेंद्र सिंह के घर के बाहर लगे CCTV में लेपर्ड कैद हुआ। सिंह ने बताया वीडियो देर रात 2:30 बजे का है। सुबह-सुबह वे अपने CCTV कैमरे की रिकॉर्डिंग चेक कर रहे थे। इस दौरान उन्हें लेपर्ड दिखाई दिया।

राजेंद्र सिंह ने बताया- यहां अक्सर लेपर्ड का मूवमेंट रहता है। आसपास का इलाका जंगल का है। हालांकि, यहां किसी इंसान पर हमले की कोई सूचना नहीं आई। राजेंद्र सिंह ने अंदेशा जताया कि गली में कुछ दिन पहले ही यहां एक फीमेल डॉग के 6-7 बच्चे हुए थे। अब वे दो ही बचे हैं। हो सकता है लेपर्ड यहां पिल्लों का शिकार करने आया हो। राजेंद्र ने बताया- 2 साल पहले मेरे ही घर के पास बाड़े में बंधे एक बछड़े का शिकार किया था। इसके बाद से कोई ऐसा बड़ा हमला नहीं हुआ है।

उदयपुर के आसपास सप्ताह भर से लेपर्ड का मूवमेंट

बता दें कि सलूंबर के सराड़ी गांव में भी पिछले 1 सप्ताह से लेपर्ड का मूवमेंट होने से लोग डरे हुए हैं। यहां के जूना मिनवाड़ा में शनिवार को लेपर्ड ने ग्रामीण धनाभाई मीणा के बाड़े में भैंस के बछड़े पर हमला किया। आवाज सुनाई देने पर परिवार वाले जाग गए, जिसके बाद लेपर्ड भाग गया। वहीं काली मगरी के पास भी झमक मीणा और रूपा सालवी को खेत में काम करते वक्त लेपर्ड नजर आया था। जिसके बाद वे वहां से जान बचाकर भागे थे। वन विभाग के अधिकारी लोकेन्द्र सिंह सूचना पर मौके पर पहुंचे थे और पगमार्क के आधार पर लेपर्ड होने की पुष्टि हुई थी।

उदयपुर होगा "उदयपुर नाट्य रंग महोत्सव" आग़ाज़



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर संभाग की सबसे पुरानी संस्थाओं में से एक जो विगत 54 वर्षों से पूरे देश में कला,साहित्य, संस्कृति व नाट्य क्रम के रचनात्मक एवं सृजनात्मक गतिविधियों से उदयपुर का प्रतिनिधित्व कर रही "टीम नाट्य संस्था' भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय और कला संस्कृति विभाग राजस्थान सरकार के अनुमोदन से झीलों की नगरी में 3 दिवसीय राष्ट्रीय नाट्य समारोह "उदयपुर नाट्य रंग महोत्सव-24" (Udaipur Theatre Festival) का दिनांक 13, 14, 15 दिसम्बर,2024 को राजस्थान साहित्य अकादमी सभागार में आयोजित करने जा रहे हैं।

इस तरह के महोत्सव को करने का उद्देश्य देश में सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देकर नई प्रतिभाओं अवसर प्रदान करना है और कला संस्कृति को संस्था अपने नाट्यविधा के माध्यम से जन जन तक पहुंचा चाहती है जिस से उदयपुर शहर व इसका आमजन और आदिवासीयों सट्टा पूरा संभाग समृद्ध हो पाए इस कारण यह महोत्सव का आयोजन परिकल्पना नाट्य निर्देशक सुनील टांक ने पूरी करने की कोशिश की है जिसकी बदोलत आज यह उनका सपना साकार हो पाया टांक ने बताया कि महोत्सव उदयपुर के लिए सौग़ात होगा जिस पर पूरा संभाग गौरवान्वित होगा इसके लिए टीम नाट्य संस्था ने अथक प्रयास किए लेकिन अब ये समारोह उदयपुर के हर जनमानस का है सह संस्थापक शैलेंद्र शर्मा और रामेश्वर गौड़ ने बताया की इस समारोह में दर्शकों का प्रवेश निशुल्क रहेगा इस नाट्य महोत्सव 13 को प्रयागराज से हरमेन्द्र सिंह के निर्देशन में नाटक "नदी प्यासी थी" का मंचन होगा 14 को श्रीगंगानगर विजय जोरा के निर्देशन में "ये आदमी ये चूहे" मंचित होगा 15 को दिन में रंग संवाद नाट्य लेखक बीकानेर से हरीश बी शर्मा से चर्चा होगी वि समापन शाम को जयपुर से अभिषेक गोस्वामी के निर्देशन में "किस्से किनारों के" का मंचन होगा यह विभिन्न नाट्य दल अपनी प्रस्तुति देंगी साथ ही स्थानीय कलाकार द्वारा शैली श्रीवास्तव जी जानी मानी ऑडिसी नृत्यांगना है उनके निर्देशन में गणेश वंदना और विष्णु वंदना की प्रस्तुति होगीं संस्था इस महोत्सव में नाट्य के साथ दूसरी कलाओं जैसे साहित्य, संगीत, नृत्य और चित्रकारीता को सम्मिलित करके उनको मंच प्रदान करेगी

द्वारिकाधीश मंदिर में 16 साल बाद 56 भोग मनोरथ:20 से 22 दिसम्बर तक तीन दिवसीय मनोरथ में विवाह, पलना, बंगला सहित 56 भोग का मनोरथ



24 न्यूज अपडेट

राजसमंद. राजसमंद में श्री द्वारिकाधीश मंदिर कांकरोली में 16 साल बाद 56 भोग का मनोरथ का आयोजन किया जा रहा है। 56 भोग के तहत आगामी 20 से 22 दिसम्बर तक तीन दिनों तक मनोरथ आयोजित किए जाएंगे। जहां प्रदेश सहित गुजरात, महाराष्ट्र व मध्यप्रदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु मनोरथ दर्शन को आएंगे। श्री द्वारिकाधीश मंदिर की ओर से आज मंदिर कार्यालय में 56 भोग मनोरथ के निमंत्रण का विमोचन किया गया। इस दौरान द्वारिकाधीश मंदिर के अधिकारी भगवती लाल पालीवाल, कार्यालय अधीक्षक राजकुमार गौरवा, ट्रस्टी मुकेश भाई मेहता, जयेश शाह सलाहकार मौजूद थे। श्री द्वारिकाधीश मंदिर के तृतीय पीठाधीश्वर गोस्वामी वागीश कुमार ने बताया कि मंदिर के नित्य लीलास्थ्य 14 वें पीठाधीश्वर ब्रजेश कुमार महाराज की इच्छा के अनुसार आगामी 20 से 22 दिसम्बर तक मंदिर में 56 भोग मनोरथ का आयोजन किया जा रहा है। कार्यालय अधीक्षक राजकुमार गौरवा ने बताया कि श्री द्वारिकाधीश मंदिर कांकरोली में 16 साल बाद 56 भोग का आयोजन होने जा रहा है जिसके तहत मंदिर में 3 दिनों तक मनोरथ होंगे। इससे पूर्व 2008 में 56 भोग का आयोजन हुआ। पुष्टिमार्ग में 56 भोग का बड़ा महत्व है। आयोजन को लेकर बड़े स्तर पर तैयारियों की जा रही है। जिसमें भोजन, आवास, यातायात सहित समितियां बनाई गई जो यहां आने वाले श्रद्धालुओं के लिए व्यवस्था में जुट गए है। आयोजन में शहर के सभी समाज के प्रतिनिधियों को भी कार्यक्रम से जोड़ा जाएंगा। जानकारी के अनुसार 20 दिसम्बर शुक्रवार को ग्वाल दर्शन में कुन्हवारा का मनोरथ, शयन झांकी में विवाह मनोरथ, 21 दिसम्बर शनिवार को ग्वाल के दर्शन में पलना का मनोरथ व शयन झांकी में बंगला का मनोरथ पूरा किया जाएंगा। मनोरथ का मुख्य आयोजन 56 भोग का मनोरथ 22 दिसम्बर रविवार को दोपहर 3 बजे से किया जाएंगा। इस दौरान देश सहित विदेश से भी श्रद्धालु यहां पहुंचेंगे। मंदिर के सलाहकार जयेश भाई ने बताया कि बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए द्वारकेश वाटिका सहित होटल व धर्मशाला बुक की जा चुकी है। वही श्रद्धालुओं के मंदिर पहुंचने के लिए निशुल्क ऑटो की व्यवस्था की गई। आयोजन को लेकर पुख्ता प्रबंध किए जा रहे है। 56 भोग मनोरथ के दौरान तारक मेहता का उल्टा चश्मा की पूरी टीम भी कांकरोली पहुंचेगी।

चित्तौड़गढ़ में लेपर्ड का किया रेस्क्यू:गुर्राने की आवाज सुनकर खेत मालिक ने दी सूचना, तीसरी कोशिश में ट्रैंकुलाइज हुआ



24 न्यूज अपडेट

चित्तौड़गढ़. चित्तौड़गढ़ में कनेरा के पास गुंदारल गांव के पास घायल पड़े लेपर्ड का वन विभाग की टीम ने रेस्क्यू किया। लेपर्ड झाड़ियों के बीच फंसा हुआ था और घायल अवस्था में था। पास के खेत में मौजूद एक ग्रामीण ने गुर्राने की आवाज सुनकर वन विभाग की टीम को सूचना दी। लेपर्ड के मुंह पर चोट लगी है। रेस्क्यू के बाद उसे चित्तौड़गढ़ लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसकी जांच की। अब लेपर्ड स्वस्थ है। लेपर्ड की उम्र 7 साल की है और 80 से 100 किलो तक उसका वजन बताया जा रहा है।

झाड़ियों के बीच फंसा हुआ था लेपर्ड

विजयपुर रेंज के रेंजर भूपेन्द्र सिंह शक्तावत ने बताया कि कनेरा के पास गुंदारल गांव में एक खेत के पास झाड़ियों से जानवर के गुर्राने की आवाज आने की सूचना मिली थी। मौके पर जाकर देखा तो एक लेपर्ड घायल हालत में पड़ा हुआ था। लेपर्ड झाड़ियों के बीच फंसा हुआ था। उस तक पहुंचने के लिए टीम ने पहले झाड़ियां काटी। उच्च अधिकारी डीएफओ विजय शंकर पांडेय को सूचना दी गई। उनके आदेश पर ट्रेंकुलाइज की टीम मौके पर भेजी।

डॉक्टरों की निगरानी में है लेपर्ड

रेंजर भूपेन्द्र सिंह शक्तावत ने बताया कि लेपर्ड को ट्रेंकुलाइज किया गया। लेकिन इसके लिए भी एक घंटे तक मशक्कत करनी पड़ी। पहले 2 बार अटेम्प्ट फेल होने के बाद तीसरी बार ट्रैंकुलाइज करने पर लेपर्ड को बेहोश कर पाए। जिसके बाद लेपर्ड को पिंजरे में लिया गया। इस दौरान ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। सबको समझाने के बाद सभी को वहां से दूर किया गया। लेपर्ड को रेस्क्यू कर चित्तौड़गढ़ लाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसका इलाज किया। अभी वो पूरी तरह से स्वस्थ है। लेपर्ड को अभी डॉक्टरों के निगरानी में रखा जाएगा और उसके बाद जंगल में छोड़ दिया जाएगा।

मजदूर पर गिरी निर्माणाधीन मकान की दीवार:इलाज के दौरान हॉस्पिटल में तोड़ा दम, जांच में जुटी पुलिस

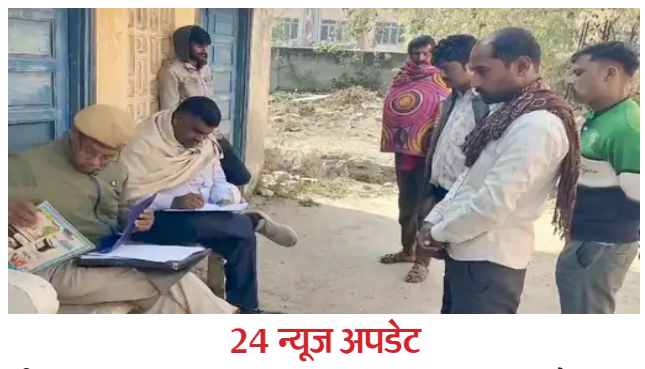

24 न्यूज अपडेट

भीलवाड़ा. अंडर कंस्ट्रक्शन मकान पर काम करते समय इसकी दीवार अचानक से गिर गई। दीवार के मलबे में दबने से एक श्रमिक गंभीर रूप से घायल हो गया उसे इलाज के लिए हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया जहां उसकी मौत हो गई। मामला बीगोद थाना क्षेत्र के धामनिया गांव का है। गांव में एक मकान निर्माण कार्य ले दौरान बनाई गई एक दीवार में शाम को अचानक से गिर गई।दीवार के मलबे में दबने से चावंडिया निवासी हरलाल पिता छोटू गुर्जर (55) सोमवार को थाना क्षेत्र के धामनिया में बहादुर सिंह राजपूत के मकान पर दीवार बना रहा था इसी दौरान अचानक दीवार गिर गई और हरलाल मलबे में दबने से गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल हरलाल को वहां मौजूद ग्रामवासियों ने तुरंत इलाज के लिए भीलवाड़ा के महात्मा गांधी हॉस्पिटल पहुंचाया,जहां उसकी ट्रॉमा वार्ड में इलाज के दौरान मौत हो गई।आज बिगोद थाना पुलिस ने जिला अस्पताल की मॉर्च्यूरी पहुंचकर परिजनों की मौजूदगी में पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया।पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।